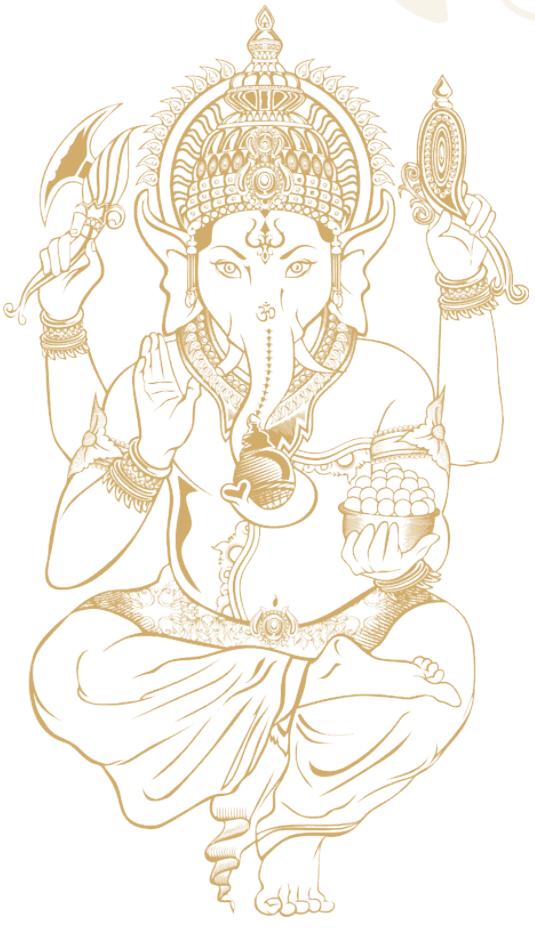

Mr. Satyam Mishra

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121945203

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
17/11/1994	जन्म तिथि	28/10/1997
गुरुवार	दिन	मंगलवार
घंटे 23:00:00	जन्म समय	21:25:00 घंटे
घटी 41:36:53	जन्म समय(घटी)	38:12:30 घटी
India	देश	India
Pratapgarh	स्थान	Rai Bareilly
25:52:00 उत्तर	अक्षांश	26:16:00 उत्तर
82:02:00 पूर्व	रेखांश	81:16:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:01:52	स्थानिक संस्कार	-00:04:56 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:21:14	सूर्योदय	06:11:30
17:12:16	सूर्यास्त	17:25:49
23:47:18	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:31

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शुक्र 2वर्ष 0मा 15दि	22:45:34	कर्क	लग्न	मिथु	14:39:43	चन्द्र 9वर्ष 2मा 23दि
राहु	01:21:04	वृश्चि	सूर्य	तुला	11:26:20	राहु
03/12/2019	25:18:20	मेष	चंद्र	कन्या	11:01:33	21/01/2014
02/12/2037	28:05:25	कर्क	मंगल	वृश्चि	27:33:12	21/01/2032
राहु 15/08/2022	16:41:50	तुला	बुध	तुला	20:50:23	राहु 03/10/2016
गुरु 08/01/2025	01:25:36	वृश्चि	गुरु	मक	18:57:12	गुरु 26/02/2019
शनि 15/11/2027	09:25:51	तुला व	शुक्र	वृश्चि	28:14:36	शनि 02/01/2022
बुध 03/06/2030	11:57:08	कुंभ	शनि व	मीन	21:40:04	बुध 22/07/2024
केतु 22/06/2031	21:04:00	तुला व	राहु व	सिंह	25:11:47	केतु 09/08/2025
शुक्र 21/06/2034	21:04:00	मेष व	केतु व	कुंभ	25:11:47	शुक्र 09/08/2028
सूर्य 16/05/2035	29:30:17	धनु	हर्ष	मक	10:59:50	सूर्य 04/07/2029
चन्द्र 14/11/2036	27:21:48	धनु	नेप	मक	03:27:43	चन्द्र 03/01/2031
मंगल 02/12/2037	04:04:12	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	10:30:07	मंगल 21/01/2032

लग्न-चलित

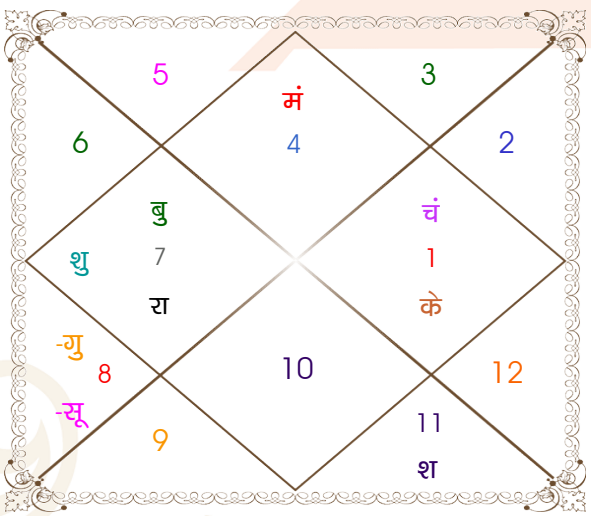

लग्न-चलित

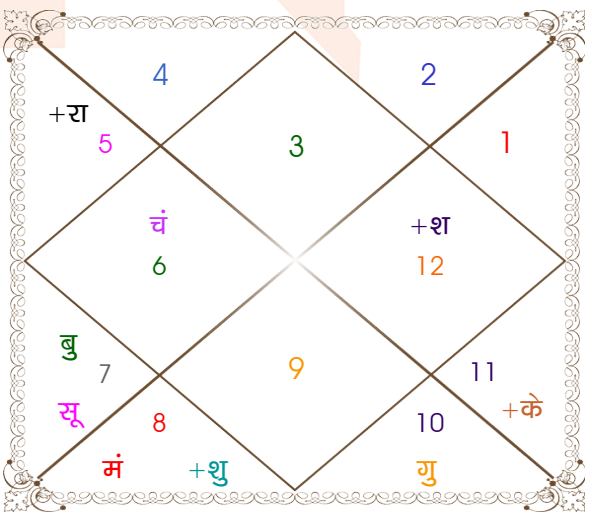

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	महिष	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	कन्या	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.00		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

डतण्ँजलंउ डपीतं का वर्ग मृग है तथा Ms. का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्ँजलंउ डपीतं और Ms. का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्ँजलंउ डपीतं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डतण्ँजलंउ डपीतं कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Ms. कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतर्णै जलंउ डपेीतं तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।